(ख) यदि हां, तो इस बारे में क्या मुख्य निर्णय लिए गए ;

(ग) क्या उक्त नदी घाटी परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए विश्व बैंक को ऋण सम्बन्धी आवेदन-पत्र प्रस्तुत किए गए है; और

(घ) (घाघरा नदी पर) करनाली परियोजना पर निर्माण-कार्य कब तक प्रारम्भ किया जाएगा ?

ऊर्जा मंत्री (श्री पी० रामचन्द्रन) : (क) (1) राप्ती (भालुबंग) परियोजना के बारे मे विचार-विमर्श करने के लिए एक भारतीय प्रतिनिधि मण्डल मार्च, 1978 मे काठमाण्डु गया था।

(2) करनाली परियोजना के कार्यान्वयन के लिए गठित समिति, जिसमे भारतीय और नेपाली अधिकारी शामिल हैं, की एक बैठक नवम्बर, 1978 मे काठमाण्डु मे हुई थी।

(3) पंचेश्वर परियोजना से सबंधित संयुक्त विशेषज्ञ दल, जिसमें महामहिम नेपाल सरकार और भारत सरकार के प्रतिनिधि शामिल थे की पहली बैठक अप्रैल, 1978 मे नई दिल्ली हुई थी और बाद मे, नवम्बर-दिसम्बर, 1978 में एक संयुक्त दल ने परियोजना स्थल का दौरा अन्वेषणात्मक कार्य के भाग के रूप में किया था।

(ख) (1) राप्ती (भालुबंग) के बारे मे, भारत नेपाली संयुक्त तकनीकी समिति के निर्देशन में आगे अन्वेषण करने का प्रस्ताव है।

(2) करनाली परियोजना के बारे मे परियोजना के विभिन्न पहलूओं पर दल की रिपोर्टों को अन्तिम रूप देने का फैसला किया गया था ताकि समिति की अन्तिम सिफारिशें दोनों सरकारों को की जा सकें।

(3) पंचेश्वर परियोजना के संबंध में, संयुक्त तकनीकी ने दो वर्ष की अवधि में अन्वेषण कार्य पूरे करने का प्रस्ताव किया है। इस समिति में महामहिम नेपाल सरकार के तथा भारत सरकार के प्रतिनिधि शामिल हैं। भारतीय और नेपाली दल द्वारा अतिरिक्त अन्वेषणों के लिए संयुक्त रूप से तैयार की गई रिपोर्ट विचाराधीन है।

(ग) हमें ऋण संबंधी ऐसे किसी आवेदन पत्र की जानकारी नही है जो इन नदी घाटी परियोजनाओं के लिए विश्व बैंक को भेजा गया हो ; तथा

(घ) निर्माण के कार्यक्रम को अन्तिम रूप नही दिया गया है।

Journals Published by Planning Commission

7325. SHRI SACHINDRA LAL SINGHA:
SHRI M. A. HANNAN ALHAJ:

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) the names of the Journals Published by the Planning Commission;

(b) details of the circulation;

(c) whether the complimentary copies of these journals are not distributed to the accredited correspondents and the language dailies editors;

(d) if not, the detailed reasons thereof;

(e) whether it is a fact that the Planning Commission's day to day reporting are missing in language press;

(f) if so, the detailed reasons thereof; and

(g) the action being taken for a better coordination between the Planning Commission and the language press for dissemination of information to the rural people?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI): (a) and (b). A statement is attached.

(c) Complimentary copies of these journals in English and Hindi are distributed to selected press representatives and editors

(d) Does not arise

(e) No, Sir Adequate coverage about the activities of the Planning Commission is provided in Indian language newspapers

(f) Does not arise

(g) Several measures have already been taken to inform the people, particularly those in the villages, about the new strategy and planning for a better life for the people The journals published by the Planning Commission, the newspapers and magazines, the news bulletins and programmes of All India Radio are all used depending on the message to be conveyed and the target audience or readership in view These methods are under constant review and periodical meetings with Planning Commission are held to achieve better results

Statement

S. No	Name of the Journal	Circulation
1	Yojana (English) .	8778
2	Yojana (Hindi) . .	5431
3	Yojana (Tamil) . .	3975
4	Yojana (Marathi). .	2741
5	Yojana (Bengali) . .	2326
6	Yojana (Gujarati) .	2918
7	Yojana (Telugu) . .	2069
8	Yojana (Malayalam) .	2800
9	Yojana (Assamese) .	1625

भारत कोकिंग कोल लिमिटेड द्वारा प्राकृतिक "सोफ्ट कोक" का पता लगाया जाना

7329. श्री युवराज : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत कोकिंग कोल लिमिटेड ने घरेलू ईंधन के रूप में उपयोग के लिए प्राकृतिक "सोफ्ट कोक" का पता लगाया है ;

(ख) क्या प्राकृतिक सोफ्ट कोक परम्परागत सोफ्ट कोक की तुलना में महंगा होगा ; और

(ग) यदि हां, तो इस सोफ्ट कोक को किस प्रकार तथा कब तक सस्ता बनाया जाएगा और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र) : (क) जी नहीं। प्राकृतिक साफ्ट कोक जिसे 'झामा' कहा जाता है उसका पता बहुत पहले से है।

(ख) और (ग). साफ्ट कोक के उत्पादन की अपेक्षा झामा का खनन महंगा है क्योंकि इसकी परतें काफी पतली हैं जिनके लिए अधिक विस्फोटक पदार्थों की जरूरत होती है।

सशस्त्र सेनाओं से सेवा निवृत्त हुए लोगों की श्रेणीवार संख्या

7327. श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या प्रधान मंत्री तथा रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) गत दो वर्षों के दौरान तीनों सशस्त्र सेनाओं से सेवा निवृत्त हुए लोगों की श्रेणी-वार संख्या कितनी है और उनमें